**Need to establish a robust monitoring system to prevent children from harmful effects of online social media contents-Laid**

श्री मुरारी लाल मीना **(दौसा) :** मैं सरकार का ध्यान एक गंभीर और संवेदनशील विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ ? "अश्लील रील्स और वीडियो का बच्चों पर मानसिक व सामाजिक दुष्प्रभाव पड़ रहा है । आज इंटरनेट और मोबाइल की पहुँच ने जहां ज्ञान को आसान बनाया है, वहीं बिना किसी रोकटोक के अश्लील सामग्री बच्चों तक भी सरलता से पहुँच रही है । सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, विशेष रूप से यूट्यूब और इंस्टाग्राम, पर उपलब्ध अश्लील रील्स बच्चों के मानसिक विकास को बुरी तरह प्रभावित कर रही हैं । इस उम्र में बच्चे जो देखते हैं, वही उनके विचारों और व्यवहार को आकार देता है । अश्लील कंटेंट उन्हें विकृत सोच की ओर ले जाता है, जिससे उनके रिश्तों, आत्मविश्वास और सामाजिक व्यवहार में असंतुलन पैदा होता है । इससे शिक्षा में ध्यान भटकता है, और कई बार यह यौन हिंसा या शोषण जैसे गंभीर खतरों को जन्म देता है । इस दिशा में सरकार को सख्त निगरानी तंत्र बनाना चाहिए, अभिभावकों व शिक्षकों को जागरूक किया जाना चाहिए और तकनीकी उपाय जैसे पैरेंटल कंट्रोल व कंटेंट फिल्टर अनिवार्य किए जाने चाहिए । बच्चों को एक सुरक्षित और स्वस्थ डिजिटल भविष्य देना हम सभी की जिम्मेदारी है ।